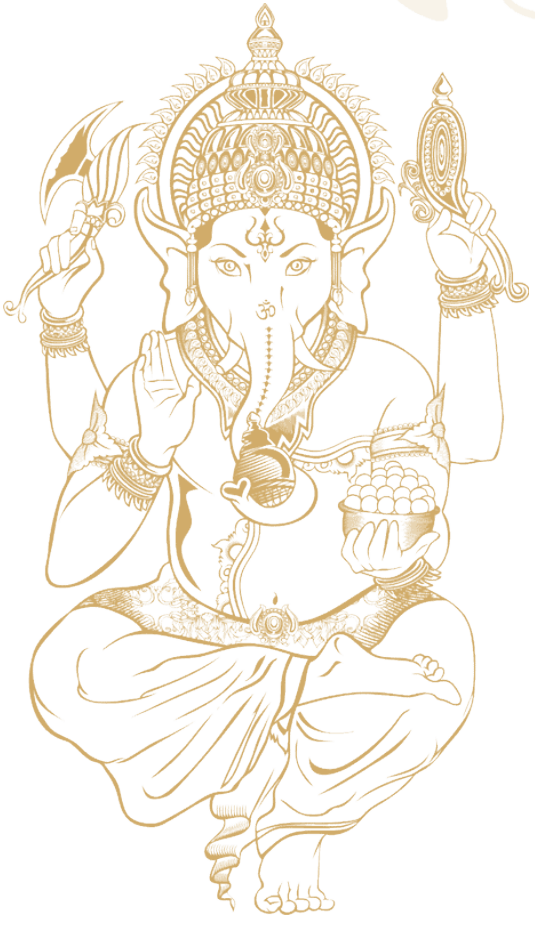

Mr.p.arora

12 Jan 1996

07:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121046604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/01/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:10:00 घंटे**
इष्ट	29:46:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:01 घंटे
साम्पातिक काल	02:14:14 घंटे
सूर्योदय	07:15:31 घंटे
सूर्यास्त	17:43:03 घंटे
दिनमान	10:27:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:49:32 धनु
लग्न के अंश	17:12:01 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	17:12:01	307:13:00	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			धनु	27:49:32	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	12:23:26	12:43:19	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	09:25:10	00:47:06	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व		मक	10:40:35	00:31:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			धनु	08:16:20	00:13:19	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	03:00:05	01:13:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कुंभ	26:27:50	00:04:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	स्वराशि
राहु	व		कन्या	27:46:57	00:00:50	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	27:46:57	00:00:50	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:12:43	00:03:30	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:18:32	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:30:19	00:01:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	12:03:50	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:13

लग्न-चलित

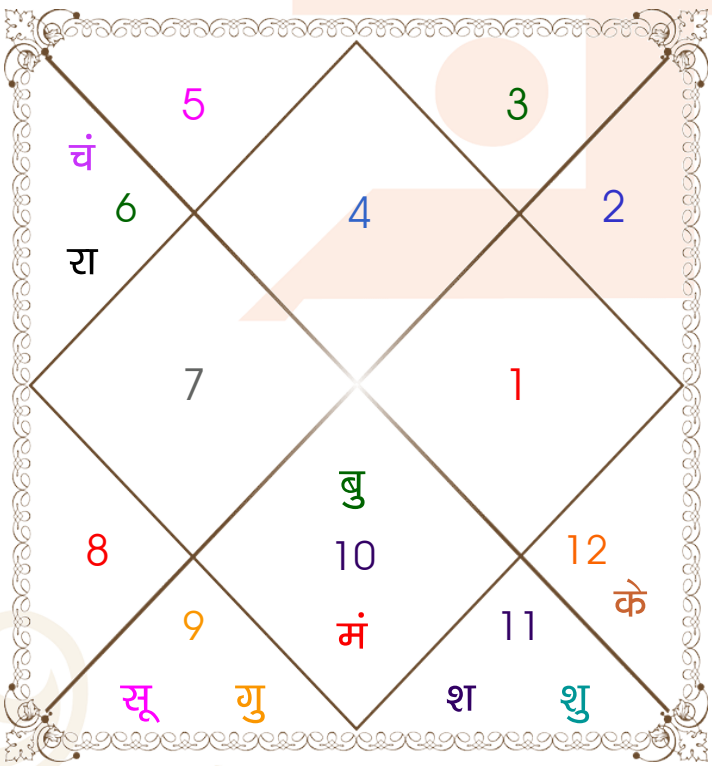

चन्द्र कुंडली

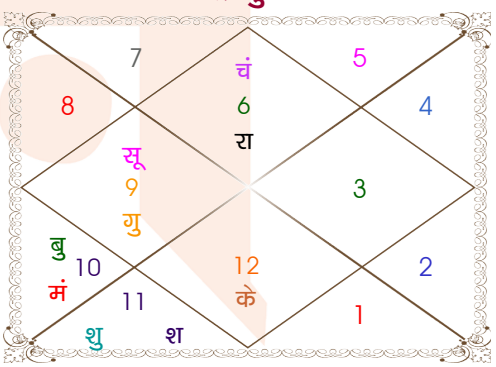

नवमांश कुंडली

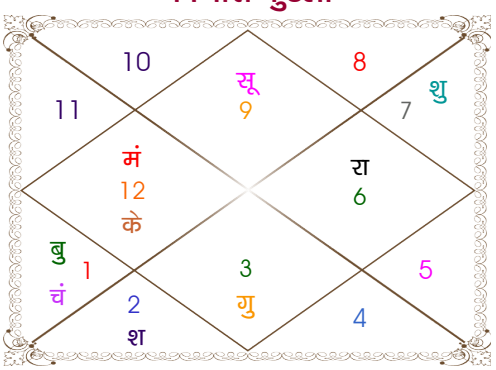

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 2 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
12/01/1996		28/03/2004		29/03/2011		28/03/2029		28/03/2045	
28/03/2004		29/03/2011		28/03/2029		28/03/2045		28/03/2064	
	00/00/0000	मंगल	24/08/2004	राहु	09/12/2013	गुरु	16/05/2031	शनि	31/03/2048
	12/01/1996	राहु	12/09/2005	गुरु	03/05/2016	शनि	27/11/2033	बुध	09/12/2050
राहु	26/02/1997	गुरु	19/08/2006	शनि	10/03/2019	बुध	04/03/2036	केतु	18/01/2052
गुरु	28/06/1998	शनि	27/09/2007	बुध	27/09/2021	केतु	07/02/2037	शुक्र	20/03/2055
शनि	27/01/2000	बुध	24/09/2008	केतु	15/10/2022	शुक्र	09/10/2039	सूर्य	01/03/2056
बुध	28/06/2001	केतु	20/02/2009	शुक्र	15/10/2025	सूर्य	28/07/2040	चंद्र	30/09/2057
केतु	27/01/2002	शुक्र	22/04/2010	सूर्य	09/09/2026	चंद्र	27/11/2041	मंगल	09/11/2058
शुक्र	27/09/2003	सूर्य	28/08/2010	चंद्र	10/03/2028	मंगल	03/11/2042	राहु	15/09/2061
सूर्य	28/03/2004	चंद्र	29/03/2011	मंगल	28/03/2029	राहु	28/03/2045	गुरु	28/03/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/03/2064		28/03/2081		28/03/2088		29/03/2108		29/03/2114	
28/03/2081		28/03/2088		29/03/2108		29/03/2114		00/00/0000	
बुध	25/08/2066	केतु	24/08/2081	शुक्र	28/07/2091	सूर्य	17/07/2108	चंद्र	28/01/2115
केतु	22/08/2067	शुक्र	24/10/2082	सूर्य	28/07/2092	चंद्र	15/01/2109	मंगल	29/08/2115
शुक्र	22/06/2070	सूर्य	01/03/2083	चंद्र	28/03/2094	मंगल	23/05/2109	राहु	13/01/2116
सूर्य	28/04/2071	चंद्र	30/09/2083	मंगल	29/05/2095	राहु	17/04/2110		00/00/0000
चंद्र	27/09/2072	मंगल	27/02/2084	राहु	28/05/2098	गुरु	03/02/2111		00/00/0000
मंगल	24/09/2073	राहु	16/03/2085	गुरु	27/01/2101	शनि	16/01/2112		00/00/0000
राहु	12/04/2076	गुरु	20/02/2086	शनि	29/03/2104	बुध	21/11/2112		00/00/0000
गुरु	19/07/2078	शनि	01/04/2087	बुध	28/01/2107	केतु	29/03/2113		00/00/0000
शनि	28/03/2081	बुध	28/03/2088	केतु	29/03/2108	शुक्र	29/03/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 2 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।